Compilation of Short Stories

*1134. **Shri Sanganna:** Will the Minister of Information and Broadcasting be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the State Governments have been given grants for the compilation of short stories and articles written in the tribal dialects and languages during the year 1957-58; and

(b) if so, the progress achieved in this behalf so far?

The Minister of Information and Broadcasting (Dr. Keskar): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Retrenchment of Cine Technicians in Madras

*1135. **Shri S. M. Banerjee:**
Shri Tangamani:
Shri A. K. Gopalan:
Shri Easwara Iyer:

Will the Minister of Information and Broadcasting be pleased to state:

(a) whether nearly 700 Cine Technicians are facing retrenchment in Madras; and

(b) if so, whether this retrenchment is being carried out by the producers as a protest against the decision of the Centre to reduce the length of the films to 10000 feet?

The Minister of Information and Broadcasting (Dr. Keskar): (a) and (b). Government are not aware of any such proposal.

श्रीगंगानगर में विस्थापित व्यक्ति

१६०६. **श्री प० ला० बाकणकर :** क्या पुनर्वास तथा अल्पसंख्यक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बीकानेर में विस्थापित व्यक्तियों के लिये मकान बनाने की कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो कितने मकान बनाये जायेंगे और वे कब तक बनाये जायेंगे; और

(ग) इन में से कितने मकान विस्थापित हरिजनों को दिये जायेंगे ?

पुनर्वास तथा अल्पसंख्यक-कार्य मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : (क) और (ख). हाल ही में राज्य सरकार के साथ बातचीत होने पर यह फैसला हुआ है कि बीकानेर में ५० टेनीमेंट्स बनाये जायें। आशा है कि ये जून १९५८ तक बन जायेंगे।

(ग) इन का एलाटमेंट पात्र शरणार्थियों को राज्य सरकार करेगी। हरिजन शरणार्थियों के लिये विशेष 'कोटा' नहीं है।

अखिल भारतीय खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड

१६०७. **श्री प० ला० बाकणकर :** क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अखिल भारतीय खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड को गत वर्ष कितनी वित्तीय सहायता दी गई;

(ख) अखिल भारतीय खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा चलाये जाने वाले केन्द्रों में जो बुनकर काम करते हैं उन की अधिकतम और न्यूनतम मासिक आय कितनी है;

(ग) क्या सरकार को यह विदित है कि स्थानीय खादी संस्थायें जो ग्रामीण बुनकरों से खादी खरीदती हैं, उस पर ६ आना प्रति रुपया बढ़ा कर दाम निश्चित करती हैं और तब उसे ३ आना प्रति रुपया कटौती दे कर बेचती हैं और उस कटौती को बुनकरों को देने की बजाय संस्थायें स्वयं सरकार से उसे ले लेती हैं; और

(घ) क्या सरकार को यह भी विदित है कि जब कि ग्रामीण कतवार कच्ची ऊन ८ रुपये प्रति सेर के भाव से खरीद कर काती